(घ) सिंचाई, ग्रामीण संचार और कृषि से संबंधित अन्य आधारभूत सुविधाओं में सार्वजनिक पूंजीनिवेश को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये गये हैं ?

**योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो)** : (क) से (ग) कृषि सेक्टर में चालू कीमतों पर और 1980–81 कीमतों पर पिछले 3 वर्षों के लिए सकल पूंजी निर्माण नीचे दिया गया है :—

(करोड़ रुपये)

| वर्ष | चालू कीमतें | 1980–81 कीमतों पर |
|---|---|---|
| 1990–91 | 11674 | 4595 |
| 1991–92 | 13338 | 4581 |
| 1992–93 | 15633 | 4567 |

वर्ष 1991–92 और 1992–93 में सार्वजनिक सेक्टर के तहत पूंजीनिर्माण में कुछ गिरावट रही ।

(घ) 8वीं योजना के दौरान निवेश में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन बागबानी, मछली पालन, वर्षा सिंचित कृषि, लघु कृषि में आधारभूत संरचना के सृजन, फसलोपरान्त प्रबन्ध आदि जैसे कृषि और संबद्ध सेक्टरों के और प्रस्तावित है, नई दूरसंचार नीति का उद्देश्य 1997 तक सभी गाँवों को टेलीफोन सुविधा सहित कवर करते हुए युनिवर्सल सेवा प्राप्त करना है ।

**आठवीं पंचवर्षीय योजना में अप्रयुक्त धनराशि**

1898. **श्रीमती सुषमा स्वराज :**

**श्री राम जेठमलानी :**

क्या **योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आठवीं पंचवर्षीय योजना के पहले तीन वर्षों के दौरान देश की विकास योजनाओं के लिए निर्धारित धनराशि का पूर्ण उपयोग नहीं किया जा सका;

(ख) यदि हां, तो 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के लिए विकास योजनाओं हेतु कितनी धनराशि निर्धारित की गयी है और इनमें से प्रत्येक वर्ष के दौरान कितनी-कितनी धनराशि का वास्तव में उपयोग किया गया ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उसी अवधि के दौरान राज्य सरकारों को विकास के लिए आवंटित की गई धनराशि का उपयोग नहीं किया गया; और

(घ) यदि हां, तो प्रत्येक राज्य द्वारा विकास योजनाओं की धनराशि का अलग-अलग कितने प्रतिशत उपयोग किया गया है ?

**योजना और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री गिरिधर गोमांगो)** : (क) सार्वजनिक क्षेत्रक योजना परिव्यय के संबंध में 1992–93 के वास्तविक व्यय और 1993–94 के संशोधित अनुमानों में कमी देखी गई है । आठवीं योजना के तीसरे वर्ष अर्थात 1994–95 के संबंध में अंतिम स्थिति 31 मार्च 1995 के बाद ही सामने आएगी ।

(ख) अपेक्षित सूचना संलग्न अनुबंध में दी गई है [देखिए परिशिष्ट 172 अनुपत्र सं० 43]

(ग) वर्ष 1992–93 और 1993–94 में आबंटित राशियों के उपयोग में कमी आई है । 1994–95 के संबंध में सही स्थिति 31 मार्च 1995 के बाद ही उपलब्ध होगी ।

(घ) अपेक्षित सूचना संलग्न अनुबंध में दी गई है । [देखिए परिशिष्ट 172, अनुपत्र सं० 44]

**Administrative Structure of MP's Local Area Development Scheme**

1899. SHRI G. PRATHAPA REDDY: will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the MP's Local Area Development Scheme has been transferred from the Ministry of Rural Development to your Ministry:

(b) if so, since when;

(c) what will now be the administrative sin :ture for the proper implementation of this scheme; and

(d) how the delays being caused in the implementation of this scheme would be curtailed ?

THE MINISTER OF STATE OF TILE MINISTRY OF PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI GIRIDHAR GOMANGO): (a) and (b) Yes, Sir, By a recent decision of Government, the Department of Prograirime Implementation has been made the nodal department for MPs Local Area Development Scheme.

(c) and (d) The modalities for Ihe administrative structure and regular monitoring of the Scheme for its timely and proper implementation are being worked out.

**Fund to Nagpur under Local Area Development Scheme**

1900. SHRI SURINDER KUMAR SINGLA: Will the Minister of PLANNING AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that inspite of giving the choice of Nagpur as a district